मुख्य परीक्षा

प्रश्न- हाल ही में प्रधानमंत्री ने इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (IPPB) को लॉन्च किया है, पेमेंट्स बैंकों ने भारत की अर्थव्यवस्था और वित्तीय समावेशन को किस सीमा तक प्रभावित किया है? साथ ही यह भी स्पष्ट करें कि वैश्वीकरण के दौर में बैंकों का स्वरूप किस प्रकार लगातार बदल रहा है?

(250 शब्द)

मॉडल उत्तर

- भूमिका में पहले पोस्ट पेमेंट्स बैंक को बताएँ।
- अगले पैरा में बताएँ कि इन इन बैंकों ने किस प्रकार भारत की अर्थव्यवस्था तथा वित्तीय समावेशन को प्रभावित किया है?
- फिर अगले पैरा में बताएं कि आज के समय में बैंकों का स्वरूप किस प्रकार बदल रहा है?
- अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

राज्य के स्थानीय व्यापार, उद्योग तथा कृषि को बढ़ावा देने के संदर्भ में रिजर्व बैंक द्वारा नचिकेत मोर समिति का गठन किया गया। इस समिति ने छोटे व्यवसायों और कम आय वाले परिवारों के लिए व्यापक वित्तीय सेवाओं और भुगतान बैंकों को लाइसेंस देने संबंधी बात कही। इस समिति की अनुशंसा के आधार पर ही सरकार द्वारा इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (IPPB) को लॉन्च किया है। उदाहरण के लिए वर्तमान में कई पेमेंट बैंक चल रहे हैं।

'आपका बैंक आपके द्वार' टैगलाइन वाले इस भुगतान बैंक की करीब 650 शाखायें और 3250 सेवा केन्द्र खोले जाएंगे। IPPB ग्रामीण क्षेत्र में बैंकिंग सेवाएं मुहैया कराकर केन्द्र सरकार के वित्तीय समावेशन के मकसद को पूरा करने में सहायता करेगा।

भुगतान बैंक एवं वित्तीय समावेशन:-

- भुगतान बैंक लोगों को मूलभूत बैंकिंग सुविधाएँ आसानी से उपलब्ध कराने में सक्षम है, क्योंकि लगभग आधी आबादी अभी भी बैंकिंग क्षेत्र से बाहर है।
- इन बैंकों में व्यक्ति कम धनराशि जमा करने के साथ उच्च ब्याज दर भी प्राप्त करता है। इसके अलावा भुगतान बैंक तकनीक केन्द्रित होने से दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँच रखती हैं। हाल ही में इंडिया पोस्ट के आरंभ से इस दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल हुई है।
- भुगतान बैंकें लोगों को धन हस्तांरण पर निम्न शुल्क लगाती हैं जिससे लोग इनकी ओर आकर्षित हो रहे हैं एवं खाता खोलने के लिए निम्न शर्तें भी भुगतान बैंकों को एक आकर्षक विकल्प बनाती हैं एवं जिससे ये वित्तीय समावेशन में योगदान दे रही है।

बैंकों का बदलता स्वरूप:-

- आज के समय बैंकिंग व्यवहार और उपभोक्ताओं की जरूरतों के हिसाब से यह माना जा रहा है कि परम्परागत बैंकिंग का दौर खत्म हो चुका है और बैंकलेस बैंकिंग अवधारणा मजबूत हुई है।
- आज तकनीक ने बैंकों के स्वरूप को एकदम बदल दिया है, जिसमें बिग डेटा, क्लाउड कंम्प्यूटिंग, स्मार्ट फोन और अन्य नवाचार शामिल हैं।
- मोबाइल बैंकिंग के आने से ग्राहकों और बैकों के बीच संवाद के तरीके में बहुत बदलाव आ गया है। अब किसी भी समय कहीं से भी खातों में पैसों को ट्रान्सफर किया जा सकता है।
- कैशलेस अर्थव्यवस्था ने बैंकिंग स्वरूप में और बड़ा परिवर्तन किया है। इससे एक ओर जहां लोगों को लंबी कतारों से मुक्ति के साथ-साथ समय की बचत हुई, तो दूसरी ओर कालेधन को रोकने में बहुत हद तक मदद भी मिली।
- प्लास्टिक मुद्रा ने लोगों की समस्या के समाधान के साथ-साथ पर्यावरण को तो लाभ पहुँचाया ही, इसके साथ ही साथ अर्थव्यवस्था में भी तेजी आयी।
- इस प्रयास में माइक्रो यूनिट्स डेवलपमेंट एंड रिफाइनेंस एजेंसी लिमिटेड बैंक यानि मुद्रा बैंक का गठन भी बहुत महत्व रखता है। यह सूक्ष्म इकाइयों के विकास तथा पुनर्वित्त पोषण से संबंधित गतिविधियों के लिए भारत सरकार द्वारा गठित एक नई शाखा है।